सीखने के प्रतिफल की आकलन पुस्तिका

हिंदी

कक्षा 8

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH

पाठ - 1

ध्वनि

शिक्षण के लक्ष्य:

- विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षिका द्वारा कविता को पढ़कर समझाया जाएगा|
- कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता के सभी पदों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ होंगे| जैसे - कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत कभी नहीं आएगा? आदि|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे|
- कक्षा में चर्चा की जाएगी कि प्रकृति में किस-किस की ध्वनि आप सुनते हैं व उनमें क्या अंतर है?
- कवि फूलों के अनंत तक विकसित करने के लिए क्या प्रयास करता है? जिससे वाचन कौशल का विकास होगा|
- कक्षा में बच्चों से कविता का क्रमानुसार पठन करवाया जाएगा, जिससे उनके सही उच्चारण का अभ्यास होगा| पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- कविता के अंत में में कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानकर बच्चे कम-से-कम आठ-दस शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होंगे| जैसे - तंद्रालय, पात, गात आदि|
- कविता सुनकर दस नए शब्दों का श्रुतलेख द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा| लालसा, स्वप्न, सहर्ष, डालियाँ आदि|
- मधुर ध्वनि और कर्कश ध्वनि में क्या अंतर महसूस करते हैं इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जा सकती है|
- शिक्षिका द्वारा ध्वनि की मधुरता, मधुर ध्वनि से आपसी संबंध, एक मधुर ध्वनि से दुखी मन में सुख को महसूस करना आदि नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा|
- जीवन में आलस्य त्यागकर, आशापूर्ण व खुशी से जीवन जीने की प्रेरणा|

सीखने का प्रतिफल:

- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

मनुष्य का जीवन संघर्षों से भरा है| यदि जीवन में संघर्ष और असफलता ना हो, तो सफलता के आनंद की सच्ची अनुभूति भी नहीं होती| प्रकृति हर मोड़ पर मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों से लड़ने के लिए प्रेरित करती है| ज़रूरत है बस प्रकृति के इशारों को समझने की| प्रकृति के संदेश को समझने वाला मनुष्य कभी पराजय स्वीकार नहीं करता और निरंतर प्रयास करके सफलता को प्राप्त करता है| हार मानने वाला मनुष्य अपनी पराजय का दोष भाग्य को देता है जो उसे पतन की ओर ले जाता है| यदि सच्ची लगन हो और असफलता के कारणों को ढूँढ़कर नए उत्साह के साथ ईमानदारी से प्रयास ज़ारी रखें, तो सफलता मिलना निश्चित है| कहा जाता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति वाला मनुष्य कभी असफल नहीं होता है| निरंतर संघर्ष और प्रयास करने वाला व्यक्ति ही पूरी तरह निखरता है और अंत में विजय प्राप्त करने में सफल होता है| दूसरी ओर मन से हार जाने वाला मनुष्य आरंभ से ही गलत तर्क ढूँढ़ने लग जाता है और आलसी बनकर अपने भाग्य और जीवन को कोसता रहता है|

प्र०1: यदि जीवन में असफलता ना हो, तो क्या अनुभव नहीं होगा?

क. सच्चा संघर्ष

ख. सच्चा आनंद

ग. सच्ची सफलता

घ. सच्चा जीवन

प्र०2: सफलता प्राप्त करने के लिए मनुष्य में कौन-सा गुण अनिवार्य नहीं है?

क. ईमानदारी

ख. निरंतर प्रयास

ग. दृढ़ इच्छाशक्ति

घ. भाग्य पर भरोसा और आलस्य

प्र०3: "असफलता" शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग कौन सा है?

क. अस

ख. आ

ग. अ

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०4: 'पतन' शब्द का विलोम शब्द कौन-सा है?

क. पताका

ख. उन्नति

ग. उत्थान

घ. पवन

सीखने का प्रतिफल:

- विविध उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनी भाषा तथा स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, (जैसे - ध्वनि के बारे में) जानकारी के लिए प्रश्न पूछते हैं और अपने अनुभवों को साझा करते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

ध्वनि अथवा आवाज़ वह साधन है जिसके माध्यम से मानव बातचीत करता है| पशु-पक्षी नैसर्गिक रूप से विविध प्रकार की ध्वनियाँ निकालते हैं| ध्वनि प्राकृतिक क्रियाओं से उद्भूत होती है साथ ही मानवीय अभिव्यक्ति का साधन है। इसी के द्वारा संचार एवं विचारों का आदान-प्रदान संभव है और इसी से संगीत की मधुर लहरियाँ भी उठती हैं। किंतु यही ध्वनि जब अप्रिय एवं अवांछनीय लगने लगे तथा कानों पर अतिरिक्त दबाव डालने लगे तो वह प्रदूषण का कारण बनती है। वास्तव में ध्वनि जब शोर का रूप ले लेती हैं तो वह प्रदूषण की श्रेणी में आ जाती है क्योंकि उसका मानव मस्तिष्क एवं कर्णेन्द्रियों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जैसा कि मैक्सवेल ने वर्णित किया है- "शोर वह ध्वनि है जो अवांछनीय है। यह वायुमण्डलीय प्रदूषण का एक प्रमुख

कारक है।” इसी कारण ध्वनि अथवा शोर मापन हेतु वैज्ञानिकों ने एक पद्धति विकसित की जिसमें ध्वनि की प्रबलता को ऊर्जा के पारस्परिक संबंध के माध्यम से मापा जाता है। मापन हेतु जिस इकाई का प्रयोग किया जाता है उसे ‘डेसीबल’ कहते हैं और जिस यंत्र से इसका मापन होता है उसे ‘शोर मापक यंत्र’ कहते हैं। डेसीबल में वार्तालाप की ध्वनि 60 डेसीबल की गई है तथा 100 डेसीबल की ध्वनि अत्यधिक तीव्र की श्रेणी में आ जाती है| अधिकांश देशों में शोर की अधिकतम सीमा 75 से 85 डेसीबल निर्धारित की गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार 90 डेसीबल के ऊपर की ध्वनि के प्रभाव में लंबे समय तक रहने पर व्यक्ति बहरा हो जाता है।

प्र०5: वातावरण में ध्वनि किस प्रकार उद्भूत होती है?

क. मानवीय क्रियाओं से

ख. शारीरिक क्रियाओं से

ग. प्राकृतिक क्रियाओं से

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०6: निम्नलिखित संगीत यंत्र की ध्वनि तीव्रता किस में मापी जाती है?

क. हेनरी

ख. डेसीबल

ग. हर्ट्ज

घ. महो

प्र०7: यदि किसी बालक की ________ इंद्रियों में दोष है तो वह ना भाषा सीख सकता है और ना ही अपने मनोभावों को व्यक्त कर सकता है|

क. पठन

ख. लेखन

ग. श्रवण

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०8: 'अत्यधिक' शब्द का कौन-सा संधि-विच्छेद सही है?

क. अति+अधिक

ख. अत+अधिक

ग. अत्य+अधिक

घ. अ+त्यधिक

प्र०9: निम्नलिखित में से कौन ध्वनि प्रदूषण का कारक नहीं है?

क. मोटर-गाड़ी, बस इत्यादि का हॉर्न

ख. विभिन्न त्योहारों पर पटाखों एवं आतिशबाजियों का शोर

ग. धार्मिक आयोजनों, मेलों व पार्टियों में लाउड-स्पीकर का प्रयोग

घ. नदी में गंदे कपड़े धोते समय साबुन रगड़ने का शोर

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (घ), 3 (ग) 4 (ग), 5 (ग), 6 (ख), 7 (ग), 8 (क), 9 (घ)

पाठ - 2

लाख की चूड़ियाँ

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- लाख क्या होती है? विषय पर चर्चा करते हुए कक्षा में छात्रों से क्रमानुसार पाठ का वाचन करवाया जाएगा व समझाया जाएगा| तत्पश्चात कठिन पाँच-पाँच शब्दों के अर्थ कका वाचन करवाया जाएगा|
- पाठ के वाचन के तदुपरांत लेखक और बदलू के संबंध में चर्चा करते हुए बदलते परिवेश से अवगत कराया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे|

- पाठ पढ़ाने के बाद लाख की वस्तुओं का निर्माण किन-किन राज्यों में होता है? लाख से ओर कौन -कौन सी वस्तुएं बनती हैं? इस बारे में बच्चों से पूछकर मूल्यांकन किया जाएगा|
- मेहनत से काम करने का सम्मान व उससे प्राप्त उपहार, एक दूसरे की भावनाओं को समझना, दुखों को अनुभव करना आदि नैतिक मूल्यों से प्रेरित करना है|

सीखने का प्रतिफल:

- विविध कलाओं, जैसे - हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे - कला के बीज बोन, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

च्यवनप्राश भारत के सर्वाधिक प्राचीन आयुर्वेदिक स्वास्थ्य पूरकों में से एक एवं सर्वाधिक बिकने वाला आयुर्वेदिक उत्पाद है। आयुर्वेद के अनुसार कमजोरी, पुराने जुकाम-खांसी सहित फेफड़े व क्षय रोग के निदान के लिए दी जाने वाली औषधियों के साथ च्यवनप्राश जरूरी है। च्यवनप्राश में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली जड़ी बूटियां आँवला, गिलोय व अष्टवर्ग भरपूर मात्रा में होती है|

च्यवनप्राश स्मरण शक्ति, बुद्धि व शरीर के विकास में भी काफी मददगार साबित होता है। च्यवनप्राश में मुख्यत: पांच तरह के तत्व होते हैं

- **प्रधान द्रव्य** - आँवला फल
- **संसाधन द्रव्य** - इन द्रव्यों में पानी डालकर आंवला फल को हल्की आग पर उबाला जाता है।
- **यमक द्रव्य** - इस श्रेणी के द्रव्य में घी एवं तिल का तेल आते हैं।
- **संवाहक द्रव्य** - इस श्रेणी के द्रव्य (चीनी) च्यवनप्राश को सुरक्षित रखने के लिये उपयोग किये जाते हैं।
- **प्रक्षेप द्रव्य** - ये द्रव्य हैं- केसर, नागकेसर, पिप्पली, छोटी इलायची, दालचीनी, बंसलोचन, शहद एवं तेजपात।

च्यवनप्राश त्रिदोष नाशक है। इसमें लवण रस को छोडकर पांचों रस भरे हुये हैं। वैज्ञानिक खोजों से यह साबित हुआ है कि आंवले में पाया जाने वाला एंटी ऑक्सीडेंट एन्जाइम बुढापे को रोकता है। वायरस के फैलने की स्थिति में च्यवनप्राश शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देती है।

प्र०1: निम्नलिखित में से किस रोग की औषधि के साथ च्यवनप्राश देना ज़रूरी नहीं है?

क. क्षय रोग

ख. किडनी रोग

ग. फेफड़े का रोग

घ. खाँसी-जुकाम

प्र०2: च्यवनप्राश में सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन-सा है?

क. छोटी इलायची

ख. केसर

ग. आँवला

घ. दालचीनी

प्र॰3: च्यवनप्राश में कौन-सा एन्जाइम पाया जाता है?

क. एंटी-कार्बनडिऑक्सीडेंट

ख. एंटी-ऑक्सीडेंट

ग. एंटी-नाइट्रोजन

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र॰4: 'त्रिदोषनाशक' शब्द में कौन-सा समास है?

क. अव्ययीभाव समास

ख. तत्पुरुष समास

ग. द्विगु समास

घ. कर्मधारय समास

प्र॰5: 'सर्वाधिक' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?

क. स्व+अधिक

ख. सव+अधिक

ग. सर्व+अधिक

घ. सर्वा+अधिक

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ख), 4 (ग), 5 (ग)

पाठ - 3

बस की यात्रा

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- शिक्षिका छात्रों से क्रमानुसार वाचन करवाएँगी| प्रचलित चार-चार शब्दों का उच्चारण अभ्यास करवाया जाएगा| बच्चे उसका अभ्यास आसानी से कर सकते हैं|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे| विद्यार्थी अपनी-अपनी यात्रा वर्णन के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - निमित्त, इत्तेफाक, बियाबान, अंतेष्टि आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - संस्मरण, रेखाचित्र लेखन पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से जैसे - कहाँ पहुँच कर टायर फटा?, प्रश्नोत्तरी - लेखक के मन में बस के प्रति श्रद्धा क्यों उमड़ी?
- ग्रामीण व शहरी संस्कृति की आवश्यकता ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है| मुसीबत में बुद्धि से काम लेना|

सीखने का प्रतिफल:

- पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं|

राजस्थान राज्य परिवहन निगम की समय सारणी को ध्यान से पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: राहुल को चावड़िया से हरिद्वार जाना है तो वह किस राज्य से किस राज्य में जाएगा?

क. राजस्थान से दिल्ली

ख. राजस्थान से चंडीगढ़

ग. राजस्थान से उत्तराखंड

घ. राजस्थान से गुजरात

प्र०2: खाटूश्याम से बस निम्नलिखित में से किस स्थान को नहीं जाती?

क. जोधपुर

ख. उदयपुर

ग. अजमेर

घ. सीकर

प्र०3: "राजस्थान पथ परिवहन" में प्रयुक्त 'पथ' शब्द का सही पर्यायवाची कौन-सा है?

क. दिशा

ख. रास्ता

ग. मार्ग

घ. सड़क

प्र०4: परिवहन शब्द दो शब्दों "परि+वहन" को जोड़ कर बना है| दोनों शब्दों का सही अर्थ क्या है?

क. पराया, बोझ उठाना

ख. पार, ले जाना

ग. पहले, ले जाना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: जो शब्द स्थान का बोध कराते है, वे संज्ञा के किस भेद के अंतर्गत आते है?

क. जातिवाचक

ख. स्थानवाचक

ग. व्यक्तिवाचक

घ. भाववाचक

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (घ), 4 (ख), 5 (ख)

पाठ - 4

दीवानों की हस्ती

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- सच्चे मित्र की कुछ अन्य कविता के माध्यम से छात्रों को पाठ से जोड़ा जाएगा|
- कविता का सस्वर वाचन करवाया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - भिखमंगों, उल्लास, घूंट आदि|

- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - मित्रता के कुछ दोहों पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - कविता में ऐसी कौन-सी बात आपको अच्छी लगी?
- विद्यार्थियों द्वारा जीवन में सबको खुश रखने के महत्व की जानकारी पारस्परिक सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है|

सीखने का प्रतिफल:

- कविता पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते है, जैसे - वर्णात्मक, विविरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि|

निम्नलिखित कविता को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।
देखा माता का ऐसा रक्तिम श्रृंगार नहीं।
कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के वंदन के।
कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के अर्चन के।

शीश-शीश में भाव उमड़ते माँ पर अर्पण के।
प्राण-प्राण में भाव उमड़ते शोणित तर्पण के।
जीवन की धारा में देखी ऐसी धार नहीं।
सत्य अहिंसा का व्रत अपना कोई पाप नहीं।

विश्व मैत्री का व्रत भी कोई अभिशाप नहीं।
यही सत्य है सदा असत की टिकती चाप नहीं।
सावधान हिंसक! प्रतिहिंसा की कोई माप नहीं।
कोई भी प्रस्ताव पराजय का स्वीकार नहीं।
ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।

प्र०1: प्रस्तुत कविता में कवि ने 'माता' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है?

क. माँ के लिए

ख. देश के लिए

ग. शत्रु के लिए

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०2: 'शीश-शीश में भाव उमड़ते माँ पर अर्पण के' - इस पंक्ति का भाव क्या हो सकता है?

क. माँ पर मस्तक अर्पित कर सकते है

ख. मस्तक में माँ के प्रति भाव उमड़ते है

ग. प्रत्येक देशवासी का मस्तक माँ के चरणों में अर्पित होने को तैयार है

घ. माँ के लिए मस्तक झुका सकते है

प्र०3: प्रस्तुत कविता में कवि ने देश की कौन-सी विशेषता की चर्चा नहीं की?

क. सत्य-अहिंसा की

ख. विश्व-मैत्री की

ग. पराजय ना स्वीकार करने की

घ. असत्य- हिंसा में विश्वास की

प्र०4: तत्सम शब्द 'कंठ' का तद्भव रूप क्या है?

क. होंठ

ख. कान

ग. गला

घ. नाक

प्र०5: इस कविता का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क. प्रकृति चित्रण करना

ख. देश के लिए न्योछावर होने की भावना का प्रदर्शन करना

ग. मुसीबतों का प्रदर्शन करना

घ. देशवासियों के गुस्से को प्रदर्शित करना

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (घ), 4 (ग), 5 (ख)

पाठ - 5

चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा| कक्षा का प्रत्येक छात्र पाठ के एक-एक पैराग्राफ का वाचन करेंगे|
- पाठ का क्रमानुसार वाचन करेंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - सहजते, ठिकानों, अहमियत, हरकारे आदि|

- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - पत्र लेखन पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - हमारे जीवन में डाकिये की भूमिका क्या है?
- विद्यार्थियों द्वारा पत्र संस्कृति की जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही नैतिक मूल्यों पर बल देना है|
- मनुष्य को जीवन मस्त व बेफिक्र होकर जीना चाहिए|
- दूसरों के जीवन में सदैव खुशियाँ फैलाना|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे - स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना या फिर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत|

परीक्षा के संदर्भ में दो सखियों के बीच संवाद को पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

काव्या: रूपाली, कैसा हुआ तुम्हारा पेपर?

रूपाली: बहुत अच्छा| सच कहूँ, पेपर शुरू होने से पहले थोड़ा घबरा रही थी, पर पेपर पढ़कर सारी घबराहट दूर हो गई| तुम्हारा कैसा हुआ?

काव्या: मेरा भी अच्छा ही हुआ है| दो अंक के एक प्रश्न का उत्तर शायद ठीक नहीं लिख पाई|

रूपाली: कौन-सा प्रश्न?

काव्या: अपठित पद्यांश में मूलभाव लिखने वाला प्रश्न|

रूपाली: कोई बात नहीं, वैसे पद्यांश था भी कठिन|

काव्या: अब जो हो गया, सो हो गया| चलो, घर चलते है|

रूपाली: हाँ-हाँ, चलो| अगले पेपर की तैयारी भी तो करनी है|

प्र०1: काव्या और रूपाली के बीच जो संवाद हुआ, वह किस विषय के पेपर के संबंध में है?

क. अंग्रेजी

ख. हिन्दी

ग. गणित

घ. विज्ञान

प्र०2: किसी भी विषय के पेपर के आरंभ होने से पहले घबराहट होती है, इस संदर्भ में निम्न में से कौन-से कथन सही है? -

I. **क्योंकि डर होता है कि कही पूरी तैयारी ना की हो**

II. **क्योंकि घबराहट होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है**

III. **क्योंकि डर होता है कि कही याद किया सबकुछ भूल ना जाए**

IV. **क्योंकि डर होता है कि कही हमें पेपर में से कुछ आता ना हो**

क. I और II

ख. I, II, III और IV

ग. I, II, और IV

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: अपठित पद्यांश में मूलभाव लिखने वाले प्रश्न में काव्या को अपठित पद्यांश का क्या लिखना था?

क. सार

ख. व्याख्या

ग. उद्देश्य

घ. असली भावना

प्र०4: 'अब जो हो गया, सो हो गया' के स्थान पर निम्नलिखित में से कौन सा मुहावरा प्रयुक्त हो सकता है?

क. एक पंथ दो काज

ख. अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत

ग. घर का भेदी लंका ढाए

घ. जैसा देश, वैसा भेष

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (ग), 4 (ख)

पाठ - 6

भगवान के डाकिये

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- कविता का एक-एक पद कक्षा में प्रत्येक छात्र से वाचन करवाया जाएगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| किन्ही चार शब्दों के पर्यायवाची शब्द व

नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - बाँचना, आँकना, पांख आदि|

- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - आधुनिक युग के संदेशों के माध्यम के बारे में, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से जैसे - भगवान के डाकिये कौन हैं?, प्रश्नोत्तरी - पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाता है?
- प्राकृतिक उपादनों के माध्यम से प्रेम, समानता, विश्व-बंधुत्व, एकता और भाईचारे की भावना, पक्षियों व बादलों को भगवान का दूत यानि डाकिया मानना, बेजुबानों की भाषा समझना आदि नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|
- विद्यार्थियों द्वारा भगवान को भेजे संदेश वाहकों की जानकारी पारस्परिक सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे - पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं|

सारस पक्षी के बारे रोचक तथ्य पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- पूरे विश्व में सारस पक्षी की कुल 8 प्रजातियाँ पाई जाती है| जिनमें से 5 प्रजातियाँ भारत में मौजूद थी लेकिन 5वीं प्रजाति साइबेरियन क्रेन सन 2002 में ही विलुप्त हो गई थी|
- आज पूरे विश्व में सारस की प्रजाति धीरे-धीरे विलुप्त हो रही है| फिलहाल यह नेपाल और भारत में ही पाए जाते है|

- सारस पक्षी भी विलुप्ति की और आगे बढ़ रहे है| आज इस पक्षी की संख्या करीब 10 से 12 हजार ही है|
- भारत में रहने वाले सारस पक्षी ज्यादातर प्रवासी नहीं होते है और अपने निवास स्थान के आसपास ही रहना पंसद करते है|
- सारस पक्षी का मुख्य निवास स्थान दलदल वाली जमीन, बाढ़ वाले स्थान, तालाब, झील और खेत है| यह पक्षी अपना घोंसला भी तालाब के आसपास ही बनाता है|
- सारस पक्षी मुख्यतः जोड़ों में ही रहना पसंद करते है| आमतौर पर बारिश के मौसम में सारस प्रजनन करता है और प्रजनन की शुरुआत नृत्य से करते है| नर सारस प्रजनन काल के दौरान आसमान की और देखकर एक लम्बी और मधुर आवाज निकालता है और इसके जवाब में मादा सारस दो बार ऐसी ही आवाज निकालती है| सारस की इन आवाज को बहुत दूर तक सुना जा सकता है|
- सारस पक्षी प्रजनन के वक्त जोड़ा बनाते है और यह जोड़ा पूरी जिंदगी एक दूसरे के साथ ही बीताता है| यदि किसी कारणवश उनके एक साथी की मृत्यु हो जाती है तो दूसरा सारस भी खाना पीना बंद कर देता है और मौत को गले लगाता है|
- प्रजनन के बाद मादा सारस एक बार में 2 से 4 अंडे देती है और करीब एक महीने के बाद बच्चे अंडों से बाहर आते है. बाहर आने के 2 महीनों में ही यह छोटे सारस उड़ान भरने योग्य हो जाते हैं और अपना खाना-पीना खुद ही तलाश करते है|
- खड़े होने पर इस पक्षी की लम्बाई 6 फीट तक हो जाती है|
- ज्यादातर सारस पक्षी शाकाहारी ही होते है जो कंदमूल, बीज और अनाज खाते है. कभी-कभी छोटे जीवों को भी खाते है|

- सारस पक्षी का औसतन वजन 6.35 किलोग्राम होता है वही उनकी लम्बाई करीब 5 से 6 फीट तक होती है|
- अगर सारस पक्षी का शिकार ना किया जाए तो यह 18 साल तक जीवित रहता है|
- सारस पक्षी 523 किलोमीटर तक की लम्बी उड़ान भर सकते है|
- सारस पक्षी आसमान में 35 से 40 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ सकते है|

प्र०1: सारस पक्षी की कौन-सी प्रजाति जो भारत में पाई जाति थी, विलुप्त हो चुकी है?

क. बत्तख

ख. साइबेरियन क्रेन

ग. हिमालयी बटेर

घ. बगुला

प्र०2: 'विलुप्त' शब्द का समानार्थी शब्द कौन-सा है?

क. गायब

ख. लुप्त

ग. नदारत

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: 'प्रवासी' शब्द का क्या अर्थ है?

क. मूलस्थान छोड़ कर अन्य स्थान पर रहने वाला प्राणी

ख. मूलस्थान पर ही रहने वाला प्राणी

ग. मूलस्थान में प्रवास करने वाला प्राणी

घ. मूलस्थान में प्रवास ना करने वाला व्यक्ति

प्र०4: सारस पक्षी अपना घोंसला पानी के आस-पास ही क्यों बनाते है?

क. ताकि पानी में बह आए बीज, अनाज के दाने और छोटे जलीय जीव खा सके

ख. ताकि उन्हें नहाने के लिए पानी की कमी ना हो

ग. ताकि वे आराम से पानी में तैर सके

घ. ताकि उन्हें पीने का पानी आराम से मिल सके

प्र०5: एक सारस पक्षी की मृत्यु हो जाने पर दूसरा सारस पक्षी मौत को गले लगा लेता है| इस वाक्य में 'मौत को गले लगाना' का क्या अर्थ है?

क. बहुत खुश होना

ख. मर जाना

ग. मौत से गले मिल कर आना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०6: सारस पक्षी का औसतन वजन ग्राम(gram) में कितना होगा?

क. 635.00 ग्राम

ख. 6350.00 ग्राम

ग. 6.35 ग्राम

घ. 63.50 ग्राम

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (क), 4 (क), 5 (ख), 6 (ख)

पाठ - 7

क्या निराश हुआ जाए

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- वाचन कौशल के विकास के लिए पाठ का एक-एक पैराग्राफ का वाचन करवाया जाएगा|
- कक्षा में छात्र पाठ का क्रमानुसार वाचन करेंगे| कठिन शब्दों का उच्चारण करेंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - धर्मभीरु, पर्दाफाश, गंतव्य आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - देश की राजनैतिक गतिविधियों व भ्रष्टाचार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से जैसे - तिलक व गाँधीजी ने कैसे भारत का सपना देखा था?, प्रश्नोत्तरी - 'झूठ और फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं|' लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
- विद्यार्थियों द्वारा मेहनत और ईमानदारी के महत्ता की जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही - नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है|
- समाज में फैले भ्रष्टाचार को देखकर मनुष्य को निराश नहीं होना चाहिए| निरंतर आशा का दामन थामे आगे कदम रखना चाहिए|

सीखने का प्रतिफल:

- हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ है। जो कुछ नहीं करता, जो भी कुछ करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिये जायेंगे और दोषों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी

अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिलकुल ही नहीं। यह चिंता का विषय है।तिलक और गांधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है ? विवेकानंद और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है ? रवींद्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है? आर्य और द्रविड़, हिंदू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र' क्या सूख ही गया है?यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ और फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है, किंतु ऐसी दशा से हमारा उद्धार जीवन-मूल्यों में आस्था रखने से ही होगा। ऐसी स्थिति में हताश हो जाना ठीक नहीं है।

प्र॰1: 'मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है|' इस वाक्य से कवि का क्या भाव है?

क. कवि का मन देश के हालात देखकर बहुत उदास हो जाता है

ख. कवि का मन देश के हालात देखकर बहुत खुश हो जाता है

ग. कवि का मन देश के हालात देखकर बहुत चिंतित हो जाता है

घ. कवि का मन देश के हालात देखकर बहुत घबरा जाता है

प्र॰2: समाज की किन घटनाओं को देखकर निराशाजनक वातावरण होने का पता चल रहा है?

क. समाचार पत्रों का चोरी, डकैती, भ्रष्टाचार की खबरों से भरा होना

ख. दूसरों में दोष ढूंढ़ने की बढ़ती प्रवृत्ति, गुणों को भुला दिया जाना

ग. अवगुणों को बढ़ा-चढ़ाकर बताना

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: तिलक और गाँधी ने किस तरह के भारत का सपना देखा था?

क. जिसमें उच्च जीवन मूल्यों का बोलबाला हो

ख. जिसमें अन्याय, भ्रष्टाचार, चोरी और डकैती का बोलबाला हो

ग. जिसमें कोई भी सुसंस्कृत और सभ्य प्राणी ना हो

घ. उपरोक्त सभी

प्र०4: जीवन में किस प्रकार के जीवन-मूल्यों की आवश्यकता है?

क. झूठ और फरेब की

ख. श्रम से रोटी ना कमाने की

ग. बेईमानी की

घ. ईमानदारी की

प्र०5: 'सुसंस्कृत' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग किया गया है?

क. स

ख. सु

ग. सस

घ. सुस

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (घ), 3 (क), 4 (घ), 5 (ख)

पाठ - 8

यह सबसे कठिन समय

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से कविता को सुगम बनाया जाएगा|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को वाचन कौशल विकास के लिए जोड़ा जाएगा|
- कक्षा में क्रमानुसार कविता का एक-एक पद सस्वर वाचन करवाया जाएगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे| कविता पढ़ने व शब्दों को उच्चारित करने का अभ्यास|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - स्टेशन, गंतव्य, तमाम आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - भारतीय संस्कृति पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से व श्रुतलेख द्वारा छात्रों का मूल्यांकन - चिड़िया, चोंच, प्रतीक्षा, तिनका आदि, प्रश्नोत्तरी - चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है?
- जीवन में आने वाले कठिन समय को भी सहजता से स्वीकार कर लेना चाहिए व उसका डटकर मुकाबला करने जैसे नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे - जाति, धर्म, रंग, जेन्डर, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे - अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना|

निम्नलिखित सूचना को ध्यान से पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- भारत में स्त्री-पुरुष लिंगानुपात में निरंतर कमी आ रही है|
- जनगणना 2011 के अनुसार भारत में प्रति 1000 पुरुषों पर 940 महिलाएँ हैं जबकि हरियाणा राज्य में प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में मात्र 879 महिलाएँ हैं|
- वही दिल्ली में 1000 पुरुषों की तुलना में मात्र 868 महिलाएँ हैं|
- इस असंतुलित लिंगानुपात का मुख्य कारण कन्या भ्रूण हत्या है| पुरुष प्रधानता, वंश परंपरा, असुरक्षा की भावना, दहेज प्रथा, एकाकी परिवार की अवधारणा और लोगों की संकीर्ण मानसिकता आदि कारणों से कन्या भ्रूण हत्या की समस्या समाज में निरंतर गतिमान है|
- लिंगानुपात की समस्या का समाधान केवल विधायिका एवं कानून द्वारा संभव नहीं है| इसके लिए सामाजिक जागरूकता की अत्यधिक आवश्यकता है, जिससे लोगों की मानसिकता में परिवर्तन लाया जा सके|

प्र०1: प्रस्तुत सूचना में किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत किया गया है?

क. दहेज प्रथा

ख. लिंग भेद

ग. भ्रूण हत्या

घ. धार्मिक भेदभाव

प्र०2: निम्नलिखित में से किस राज्य में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या कम है?

क. पंजाब

ख. हरियाणा

ग. दिल्ली

घ. राजस्थान

प्र०3: असंतुलित लिंगानुपात के मुख्य कारणों में से कौन-सा कारण नहीं है?

क. एकल परिवार

ख. लड़के की चाह

ग. दहेज प्रथा

घ. बढ़ती जनसंख्या पर रोकथाम

प्र०4: लिंगानुपात की समस्या के समाधान किस प्रकार हो सकता है?

क. विधायिका एवं कानून द्वारा

ख. सामाजिक जागरूकता द्वारा

ग. मानसिक सोच में परिवर्तन द्वारा

घ. उपरोक्त सभी

प्र०5: 'मानसिकता' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय कौन-सा है?

क. सिक

ख. मानसिक

ग. ता

घ. मा

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (घ), 4 (घ), 5 (ग)

पाठ - 9

कबीर के साखियाँ

शिक्षण के लक्ष्य:

- विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षिका द्वारा साखियों का अर्थ व कबीर दस जी ने किस तरह कम शब्दों में ज़्यादा अर्थ समझाया है, श्रवण कौशल के विकास के लिए यह समझाया जाएगा|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड, कबीर के अन्य दोहों की सीडी|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- कक्षा का प्रत्येक छात्र सस्वर दोहों का गायन करेंगे जिससे छात्रों की वाचन कौशल क्षमता बढ़े|
- क्षेत्रीय भाषा परिवर्तन से वर्तनी व उच्चारण का अभ्यास चार-चार शब्दों से करवाया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - म्यान, गारी, दहूँ, दिसि आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - अन्य दोहों की की जाएगी, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - 'तलवार का महत्त्व होता है म्यान का नहीं' उदाहरण द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं?
- समाज में फैली भ्रांतियों पर प्रकाश डालने जैसे नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा|
- मनुष्य को अहंकार कभी नहीं करना चाहिए, हर एक छोटी से छोटी चीज़ की एहमियत समझना इत्यादि पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- अपने परिवेश में मौजूद लोक-कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

साबरमती आश्रम में कई बच्चों को चेचक हो गया था। बच्चों के इस दुख से बापू काफ़ी द्रवित हुए। उन बच्चों की सेवा बापू स्वयं करते थे। उन्हें रोज़ गरम पानी में पोटाशियम परमैग्नेट मिलाकर टब में स्नान कराते थे। उन दिनों गाँधी जी के पोते कनु गाँधी को चेचक निकली थी। गाँधी जी ने उनके लिए भी वही इलाज करने को कहा। कनु गाँधी की दादी ने यह सुनकर कहा, "आपको मालूम नहीं क्या, चेचक में पानी छुआने की भी मनाही की गई है। और आप हैं कि इसे पानी के टब में बिठाने की बात कर रहे हैं। ऐसा नहीं होगा। इससे 'माता' नाराज़ हो जाएंगी।" बापू ने उन्हें समझाते हुए कहा, "भाभी, आप मत घबराइए।

ये सब अंधविश्वास है। पानी में नहलाने से ‘माता’ नाराज़ नहीं होतीं। इस आश्रम में कई बच्चों को चेचक निकली है। सबका यही इलाज मैंने किया है। आज तक तो किसी से ‘माता’ नाराज़ नहीं हुईं। फिर वो कनु से कैसे नाराज़ हो जाएंगी? हमें इन पुराने रीति-रिवाज़ों, अंधविश्वासों और मान्यताओं को छोड़ना चाहिए। अगर हम ही इसे नहीं छोड़ेगे, तो हम दूसरों को कैसे कह सकेंगे? आप परेशान न हों, इसे कुछ नहीं होगा।” कनु की दादी को गाँधी जी पर पूरा विश्वास था। उन्होंने गाँधी जी की बात मान ली। कनु को गरम पानी की टब में बिठाकर स्नान कराया गया। सात दिनों के बाद कनु एकदम स्वस्थ और तंदुरुस्त हो गया। दादी भी काफ़ी खुश हुईं।

प्र०1: साबरमती आश्रम किस राज्य में स्थित है?

क. तमिलनाडु

ख. पंजाब

ग. गुजरात

घ. महाराष्ट्र

प्र०2: गाँधी जी ने टब में पोटाशियम परमैग्नेट मिलकर बच्चों को स्नान क्यों करवाया?

क. क्योंकि पोटाशियम परमैग्नेट पानी में मिलाकर स्नान करने से शारीरिक सफ़ाई होती है जो की चेचक में आवश्यक है|

ख. क्योंकि पोटाशियम परमैग्नेट पानी में मिलाकर स्नान करने से मानसिक सफ़ाई होती है जो की चेचक में आवश्यक है|

ग. क्योंकि पोटाशियम परमैग्नेट पानी में मिलाकर स्नान करने से माता’ खुश होती है|

घ. क्योंकि पोटाशियम परमैग्नेट पानी में मिलाकर स्नान करने से माता’ नाराज़ होती है|

प्र॰3: उपरोक्त गद्यांश में गाँधी जी ने किन सामाजिक बुराइयों की चर्चा की है?

क. अंधविश्वास

ख. पुराने रीति-रिवाज़ों की जकड़न

ग. पुरानी मान्यताओं की परंपरा

घ. उपरोक्त सभी

प्र॰4: 'तंदुरुस्त' शब्द का विलोम शब्द क्या है?

क. सेहतमंद

ख. कमज़ोर

ग. ताकतवर

घ. बलवान

प्र॰5: हमें इन पुराने रीति-रिवाज़ों, अंधविश्वासों और मान्यताओं को छोड़ना चाहिए। गाँधी जी ने इन्हें छोड़ने के लिए क्यों कहा है?

क. क्योंकि ये चेचक जैसे बीमारी के लिए घातक हैं|

ख. क्योंकि ये समाज के लिए घातक है|

ग. क्योंकि ये समाज और मनुष्य जीवन के विकास के लिए घातक हैं|

घ. क्योंकि इन्हें छोड़कर नए अंधविश्वासों को अपनाना हैं|

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (क), 3 (घ), 4 (ख) 5 (ग)

पाठ - 10

कामचोर

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- कक्षा में छात्र क्रमानुसार पाठ का एक-एक पैराग्राफ का वाचन करेंगे, छात्रों की वाचन कौशलता बढ़ेगी|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर संकेगे| जैसे - दबैल, तनख्वाह, दड़बा, तरकारी आदि|

- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - लेखक के जीवन व अन्य रचनाओं पर), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से जैसे - घमासान युद्ध कहाँ पर हो रहा था?, प्रश्नोत्तरी - कामचोर कहानी का क्या संदेश है?
- विद्यार्थियों द्वारा पारिवारिक सदस्यों के कार्य की उपयोगिता की तुलनात्मक जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त करना|
- जीवन में काम करने की आवश्यकता, एकल व संयुक्त परिवार की महत्त्वता को समझाकर नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- अपने पाठक और लिखने के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपनी बातों को प्रभावी ढंग से लिखते है|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

डॉ. कलाम दृढ़ इच्छाशक्ति वाले वैज्ञानिक थे। वे भारत को विकसित देश बनाने का सपना संजोए हुए थे। उनका मानना था कि भारतवासियों को व्यापक दृष्टि से सोचना चाहिए। हमें सपने देखने चाहिए। सपनों को विचारों में बदलना चाहिए। विचारों को कार्यवाही के माध्यम से हकीकत में बदलना चाहिए। डॉ. कलाम तीसरे ऐसे वैज्ञानिक हैं, जिन्हें भारत का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिया गया। उन्हें 'पद्मभूषण' तथा 'पद्मविभूषण' से भी सम्मानित किया गया। भारत को उन पर गर्व है। इतनी उपलब्धियाँ प्राप्त करने के बावजूद अहंकार कलाम जी को छू तक नहीं पाया। वे सहज स्वभाव के एक भावुक व्यक्ति थे। उन्हें कविताएँ लिखना, वीणा बजाना तथा बच्चों के साथ रहना पसंद था। वे सादा जीवन उच्च विचार में विश्वास रखते थे। कलाम साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। कलाम जी तपस्या और कर्मठता की प्रतिमूर्ति हैं।

राष्ट्रपति पद की शपथ लेते समय दिए गए भाषण में उन्होंने कबीरदास जी के इस दोहे का उल्लेख किया था - ‘काल करे सो आज कर, आज करे सो अब’।

प्र॰1: उपरोक्त गद्यांश में डॉ॰ कलाम की किस चारित्रिक विशेषता का वर्णन नहीं किया गया हैं?

क. दृढ़ इच्छाशक्ति

ख. अहंकारी

ग. कर्मठ

घ. सहज स्वभाव

प्र॰2: डॉ॰ कलाम एक दृढ़ इच्छाशक्ति वाले ________ थे| रिक्त स्थान भरो?

क. वैज्ञानिक

ख. कलाकार

ग. साहित्यकार

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र॰3: डॉ॰ कलाम के अनुसार विकसित देश बनने के लिए युवा पीढ़ी को क्या करने की जरूरत है?

क. सपने देखने की

ख. विचार करने की

ग. (क) और (ख) दोनों की

घ. सपने और विचारों को हकीकत में बदलने की

प्र॰4: भारत में सर्वोच्च सम्मान किस कार्य को करने पर दिया जाता है?

क. राष्ट्रपति बनने पर

ख. देश के विकास में सहभागिता पर

ग. भाषण देने पर

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: 'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब' पंक्ति का क्या अर्थ है?

क. जो कार्य कल करना था वह कार्य कल ही करना चाहिए

ख. जो कार्य कल करना था वह कार्य आज ही बल्कि अभी ही करना चाहिए

ग. जो कार्य कल करना था वह कभी भी नहीं करना चाहिए

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (क), 3 (घ), 4 (ख), 5 (ख)

पाठ - 11

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से श्रवण कौशल क्षमता विकसित की जाएगी|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा| कक्षा के सभी छात्र पाठ के एक–एक पैराग्राफ का वाचन करेंगे|
- कठिन शब्दों के उच्चारण द्वारा वाचन कौशल का अभ्यास होगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे| विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- सिनेमा का उद्भव विकास के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके माध्यम से छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में छात्रों को पाठ में आए पाँच-पाँच उपसर्ग व प्रत्यय छाँटकर लिखने को दिया जाएगा|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ

में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर संकेगे| जैसे - पटकथा, संवाद, किरदार आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: कक्षा में छात्रों से अभिनय करवाना, चर्चा - (लेखक की अन्य रचनाओं पर), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी जैसे - पहला बोलत सिनेमा बनाने के लिए फ़िल्मकार आर्देशियर एम० ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली?
- विद्यार्थी अपने जीवन में मनोरंजन के स्त्रोतों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे|
- कला की महत्त्वता समझना - नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने के प्रतिफल:

- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं| लेखन के विविध तरीके और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे- तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना|

निम्नलिखित पोस्टर को ध्यान से देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: 'रामायण' टी० वी० धारावाहिक का निर्देशन किसने किया है?

क. अरुण गोविल

ख. रामानंद सागर

ग. ऋषि वाल्मीकि

घ. तुलसीदास

प्र०2: 'चंद्रमौली चोपड़ा' ने निम्नलिखित में से कौन-कौन से कार्य किए है?

क. साबुन बेचना

ख. ट्रक साफ करना

ग. निर्देशन करना

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: निम्नलिखित में से कौन-सा धारावाहिक धार्मिक धारावाहिक नहीं हैं?

क. रामायण

ख. कृष्ण और लव-कुश

ग. विक्रम और बेताल

घ. उपरोक्त सभी

प्र०4: 'विक्रम और बेताल' धारावाहिक में राजा विक्रम और बेताल से जुड़ी कहानियों का चित्रण है| इन् कहानियों के द्वारा राजा विक्रम की किस शक्ति का बोध होता है?

क. बोझ उठाने की शक्ति का

ख. न्याय शक्ति का

ग. स्मरण शक्ति का

घ. साहसी शक्ति का

प्र०5: 'रामानंद' शब्द का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?

क. रामा+नंद

ख. रा+मानंद

ग. राम+आनंद

घ. राम+नंद

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (ग), 4 (ख), 5 (ग)

पाठ - 12

सुदामा चरित (कविता)

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- कक्षा में छात्रों से क्रमानुसार एक-एक पद का वाचन करवाया जाएगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे| विद्यार्थियों को कवि की अन्य कविताओं के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना ही पठन कौशल का विकास करना है|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- सुदामा चरित के दोहे कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में छात्र पाँच-पाँच प्रचलित शब्दों के लेखन अभ्यास से अवगत होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ

में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र , आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - पगा, झँगा, आहि, लटी, दुपटी, द्विज आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - (कवि की अन्य रचनाओं की), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - सुदामा की दीन-दशा देखकर श्रीकृष्ण जी की क्या मनोदशा हुई?
- विद्यार्थियों द्वारा सच्चे मित्र के व्यवहार की मानव-जीवन में उपयोगिता की जानकारी देते हुए छात्रों के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा| पारस्परिक सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना|

सीखने के प्रतिफल:

- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे - किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पद बंध का प्रयोग - आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग|

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो
चट्टानों की छाती से दूध निकालो।
है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ों,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो।
चढ़ तुंग शैल–शिखरों पर सोम पियो रे!
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे!
छोड़ों मत अपनी आन, सीस कट जाए
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
नत हुए बिना जो अशनि घात सहती है
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है।

प्र॰1: प्रस्तुत कविता में कवि किसे छोड़ने की बात कर रहा है?

क. चट्टानों को

ख. वैराग्य को

ग. बाँहों को

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र॰2: 'भले व्योम फट जाए|' इस पंक्ति का क्या अर्थ है?

क. मूसलाधार वर्षा हो जाए

ख. आसमान दो टुकड़ों में बँट जाए

ग. आसमान से फूलों की वर्षा हो जाए

घ. कितनी ही मुसीबत क्यों ना आ जाए

प्र०3: प्रस्तुत कविता के अनुसार स्वतंत्रता किसे प्राप्त होती है?

क. जो मुसीबतों का डटकर सामना करते है

ख. जो मुसीबतों के सामने घुटने टेक देते है

ग. जो मुसीबतों से घबराकर, बिना लड़े ही हार मान लेते है

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०4: प्रस्तुत कविता में कवि का मूल उद्देश्य क्या है?

क. मनुष्य को हर परिस्थिति का डटकर सामना करने की प्रेरणा देना

ख. मनुष्य को वैराग्य का जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा देना

ग. मनुष्य को शिलाएँ तोड़ने की प्रेरणा देना

घ. उपरोक्त सभी

प्र०5: 'पीयूष' शब्द का सही पर्यायवाची कौन-सा है?

क. आग

ख. अमृत

ग. घमंड

घ. कामना

सीखने का प्रतिफल:

- दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे - सोशल मीडिया पर, नोट्बुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि|

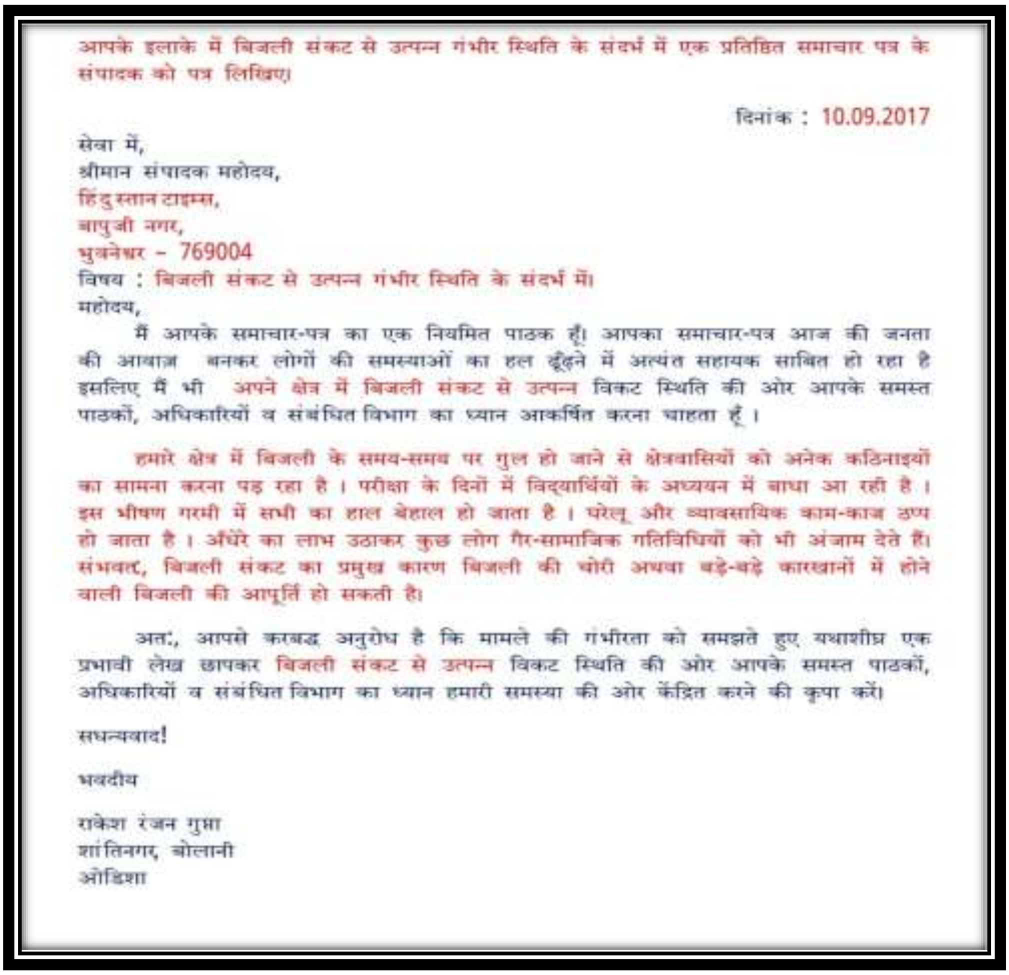

आपके इलाके में बिजली संकट से उत्पन्न गंभीर स्थिति के संदर्भ में एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

दिनांक : 10.09.2017

सेवा में,
श्रीमान संपादक महोदय,
हिंदुस्तान टाइम्स,
बापुजी नगर,
भुवनेश्वर - 769004

विषय : बिजली संकट से उत्पन्न गंभीर स्थिति के संदर्भ में।

महोदय,

मैं आपके समाचार-पत्र का एक नियमित पाठक हूँ। आपका समाचार-पत्र आज की जनता की आवाज़ बनकर लोगों की समस्याओं का हल ढूँढने में अत्यंत सहायक साबित हो रहा है इसलिए मैं भी अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न विकट स्थिति की ओर आपके समस्त पाठकों, अधिकारियों व संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

हमारे क्षेत्र में बिजली के समय-समय पर गुल हो जाने से क्षेत्रवासियों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परीक्षा के दिनों में विद्यार्थियों के अध्ययन में बाधा आ रही है। इस भीषण गरमी में सभी का हाल बेहाल हो जाता है। घरेलू और व्यावसायिक काम-काज ठप्प हो जाता है। अँधेरे का लाभ उठाकर कुछ लोग गैर-सामाजिक गतिविधियों को भी अंजाम देते हैं। संभवतः, बिजली संकट का प्रमुख कारण बिजली की चोरी अथवा बड़े-बड़े कारखानों में होने वाली बिजली की आपूर्ति हो सकती है।

अतः, आपसे करबद्ध अनुरोध है कि मामले की गंभीरता को समझते हुए यथाशीघ्र एक प्रभावी लेख छापकर बिजली संकट से उत्पन्न विकट स्थिति की ओर आपके समस्त पाठकों, अधिकारियों व संबंधित विभाग का ध्यान हमारी समस्या की ओर केंद्रित करने की कृपा करें।

सधन्यवाद!

भवदीय

राकेश रंजन गुप्ता
शांतिनगर, बोलानी
ओडिशा

प्र॰6: संपादक को प्रस्तुत पत्र लिखने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क. स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों की ओर ध्यान आकर्षित कराना

ख. बिजली संबंधी परेशानियों के ओर ध्यान आकर्षित कराना

ग. पीने के पानी संबंधी परेशानियों को ओर ध्यान आकर्षित कराना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र॰7: किसी भी समाचार पत्र के संपादक को लिखा जाने वाला पत्र कैसा होता है?

क. औपचारिक पत्र

ख. अनौपचारिक पत्र

ग. साधारण पत्र

घ. विशेष पत्र

प्र०8: पत्र लिखने वाला व्यक्ति का पता कहा लिखा जाता है?

क. आरंभ में

ख. बीच में

ग. अंत में

घ. कही भी नहीं लिखा जाता

प्र०9: बिजली संकट से उत्पन्न किस परेशानी का जिक्र नहीं किया गया है?

क. विद्यार्थियों को अध्ययन में बाधा

ख. घरेलू और व्यवसायिक कार्यों में बाधा

ग. गैर-सामाजिक गतिविधियों में इज़ाफ़ा

घ. सुचारु पेयजल ना आने में बाधा

प्र०10: 'यथाशीघ्र' शब्द में कौन-सा समास है?

क. कर्मधारय समास

ख. अव्ययीभाव समास

ग. द्वंद्व समास

घ. तत्पुरुष समास

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (क), 4 (क), 5 (ख), 6 (ख), 7 (क), 8 (ग), 9 (घ), 10 (ख)

पाठ - 13

जहाँ पहिया है

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- प्रत्येक छात्र से दस कठिन शब्दों को उच्चारण करवाया जाएगा जिससे छात्रों में वाचन कौशल का विकास होगा|
- पठन-कौशल के विकास के लिए छात्रों से पाठ का एक-एक पैराग्राफ पढ़वाया जाएगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- संवाद लेखन कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों में लेकहन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में पाठ में आए पाँच-पाँच उपसर्ग व प्रत्यय शब्द का लेखन अभ्यास करने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ

में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कै सकेंगे| जैसे - फब्ती, यकीन, घिसीपीटी आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - (संस्मरण, रिपोतार्ज लेखन की), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधा आई?
- समाज में स्वयं के लिए बराबरी का दर्जा पाने के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा|
- महिलाओं में आत्मनिर्भरता व आत्मसम्मान की भावना नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक या ब्रेल भाषा में बताते है|

निम्नलिखित पोस्टर में दी गई जानकारी को ध्यान से पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: 'साइबर बुलिंग' इस शब्द का क्या अर्थ है?

क. गंदी भाषा, तस्वीरों या धमकियों से इंटरनेट पर तंग करना

ख. किसी की टांग खिचना

ग. किसी को नीचा दिखाना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०2: साइबर बुलिंग करने वाले व्यक्ति कौन होते है?

क. आपके रिश्तेदार और मित्र जिसके साथ आपने अपनी निजी जानकारी साझा की है

ख. सोशल नेटवर्किंग और ऑनलाइन गेम खेलते हुए हुई जान पहचान वाला व्यक्ति जिसके साथ आपने अपनी निजी जानकारी साझा की है

ग. आपके अध्यापक जिन्हें आपकी निजी जानकारी पता हैं

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: साइबर बुलिंग से बचने के लिए निम्न में से किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

I. किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी निजी जानकारी साझा ना करे|

II. किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा फोन पर मांगी गई बैंक संबंधी जानकारी ना दे|

III. फोन पर या ऑनलाइन किसी भी व्यक्ति द्वारा की गई अभद्र एवं गंदी बात, शेयर की गई अभद्र एवं अश्लील तस्वीर इत्यादि की सूचना अपने माता-पिता एवं पुलिस को अवश्य बताए|

IV. किसी से भी फोन पर बात ना करे|

क. I, II, III और IV

ख. I, III और IV

ग. I और IV

घ. I, II और III

प्र०4: 'अनुचित' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?

क. अन

ख. आ

ग. अनु

घ. अ

उत्तर-तालिका = 1 (क), 2 (ख), 3 (घ), 4 (ग)

पाठ - 14

अकबरी लोटा

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा| वाचन कौशल के विकास के लिए कक्षा में क्रमानुसार कहानी का एक-एक पैराग्राफ का वाचन करवाया जाएगा जिससे छात्रों का वाचन कौशल में विकास होगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे| पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए एक-एक पद का पठन करवाया जाएगा| प्रश्न पूछे जाएंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- हास्य व्यंग्य रचना विषय में कक्षा में लिखित अनुच्छेद द्वारा छात्रों की लेखन कौशल को जाना जाएगा| पाठ के अंत में छात्र दस कठिन शब्दों का श्रुतलेख देने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ

में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर संकेगे| जैसे - अदब, मुँडेर, ईजाद, तन्मयता, अन्तर्धान आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा (अकबर बीरबल की कहानियों पर), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध कहाँ से किया था?
- बौद्धिक क्षमता का विकास - सही व्यक्त पर सही समझ का उपयोग कितना जरूरी है - आदि नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना|
- सच्चे मित्र की पहचान- नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है|

सीखने का प्रतिफल:

- किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं| उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं जैसे - अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं - रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती?

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर और ध्यान से समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

आधुनिक मानव समाज में एक ओर विज्ञान को भी चकित कर देने वाली उपलब्धियों से निरंतर विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर मानवीय मूल्यों का ह्रास होने की समस्या उत्तरोत्तर गूढ़ होती जा रही है| अनेक सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का शिकार आज का मनुष्य विवेक और ईमानदारी को त्याग कर भौतिक स्तर से ऊँचा उठने का प्रयत्न कर रहा है| वह सफलता पाने की

लालसा में उचित और अनुचित की चिंता नहीं करता| उसे तो बस साध्य को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा रहती है| सुख-सुविधा की प्राप्ति के लिए वह भयंकर से भयंकर अपराध में लिप्त होने से भी नहीं घबराता| वह इनके नित नए-नए रूपों की खोज़ में ही अपनी बुद्धि व्यय करने में लगा रहता है| आज हमारे सामने यह मुख्य समस्या है कि ऐश्वर्य और सुख-साधनों की प्राप्ति के लिए युवा-पीढ़ी को आपराधिक रास्ते से हटाकर मेहनत और सच्चाई के रास्ते पर कैसे लाया जाए|

प्र०1: मानव-जीवन में समस्याएँ किस कारण से बढ़ रही है?

क. विज्ञान के विकास से
ख. मानव की मेहनत से
ग. मानवीय मूल्यों के ह्रास से
घ. सुख-सुविधा की प्राप्ति से

प्र०2: भौतिक स्तर को बनाए रखने के लिए मनुष्य किसका त्याग कर रहा है?

क. मेहनत और ईमानदारी का
ख. सुख-सुविधाओं का
ग. बिना मेहनत किए कुछ पाने की लालसा का
घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०3: मानव या युवा-पीढ़ी अपनी बुद्धि का उपयोग किन कार्यों में कर रही है?

क. मेहनत करने में
ख. विज्ञान द्वारा निरंतर विकास करने में
ग. कम समय में और बिना मेहनत के अधिक सुख-सुविधायों को प्राप्त करने के रास्ते ढूंढने में
घ. मानवीय मूल्यों के विकास में

प्र॰4: 'सामाजिक' में प्रयुक्त प्रत्यय कौन सा है?

क. इक

ख. जिक

ग. स

घ. मा

सीखने का प्रतिफल:

- हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं|

निम्नलिखित विज्ञापन को ध्यान से पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०5: 'काव्यपथ- अंतर्राष्ट्रीय वेब पत्रिका' के इस अंक में किस प्रकार की रचनाएँ संकलित की गई हैं?

क. हिन्दी दिवस पर रची काव्य-रचनाएँ

ख. वरिष्ठ साहित्यकारों के विचार

ग. अभिनेताओं के विचार

घ. उपरोक्त सभी

प्र०6: रमा को हिन्दी भाषा से विशेष लगाव है और यह उसका मनपसंद विषय भी है| परंतु इस विषय में नौकरियों के अवसर कम मिलते है| इस संबंध में अपने विचार रखने के लिए रमा को किस बिन्दु पर अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे?

क. हिन्दी भाषा व सोशल मीडिया

ख. आपका क्षेत्र और हिन्दी भाषा की स्थिति

ग. हिन्दी भाषा के क्षेत्र में रोज़गार की स्थिति व चुनौतियाँ

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०7: पत्रिका में किसी विषय से संबंधित विचार छपवाने के लिए विचारों का कैसा होना अनिवार्य है?

क. विचारों में मौलिकता होनी चाहिए

ख. विचार स्पष्ट एवं संक्षिप्त होने चाहिए

ग. अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए

घ. उपरोक्त सभी

प्र०8: 'काव्यपथ- अंतर्राष्ट्रीय वेब पत्रिका' के इस अंक का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क. साहित्यकारों के विचारों का प्रसार करना

ख. हिन्दी भाषा का प्रचार एवं प्रसार

ग. कहानी व कविताएं इकट्ठी करना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०9: 'मौलिकता' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय कौन-सा है?

क. मौ+लिकता

ख. मौली+कता

ग. मौलिक+ता

घ. मौलिकता+आ

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (क), 3 (ग), 4 (क), 5 (घ), 6 (ग), 7 (घ), 8 (ख), 9 (ग)

पाठ - 15

सूर के पद

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- कक्षा में वाचन कौशल के विकास हेतु छात्रों से क्रमानुसार एक-एक पद का वाचन करवाया जाएगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे| पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए एक-एक पद का पठन करवाया जाएगा| प्रश्न पूछे जाएंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व विषय पर कक्षा में छात्रों से एक पैराग्राफ लिखवाया जाएगा जिससे छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में पद में आए चार-चार शब्दों के पर्यायवाची व विलोम शब्द लिखने में सक्षम होंगे| जैसे - चंद्रमा, मधुकर, सूर्य आदि| विलोम शब्द - दिन, श्वेत, शीत आदि|

- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर संकेगे| जैसे - अजहूँ, काढ़त, गुहत पैठि, गोरस आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा (अन्य कविता व निबंध लेखन पर), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से जैसे - सूरदास जी ने अपने पद में किसके बालपन का वर्णन किया है?, प्रश्नोत्तरी - कृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?
- बाल-कृष्ण की लीलाओं द्वारा बचपन की शरारतों से परिचय कराते हुए - नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|
- विद्यार्थियों को सूरदास जी के पद पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराते हुए नैतिक मूल्यों से अवगत कराया जाएगा|

सीखने के प्रतिफल:

- अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे - कविता, कहानी, निबंध आदि|

निम्नलिखित कविता को ध्यान से पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

संकटों से वीर घबराते नहीं
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।

लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।

हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले।

कठिन पथ को देख मुसकाते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा।

यह 'असंभव' कायरों का शब्द है,
कहा था नेपोलियन ने एक दिन।
सच बताऊँ जिंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ' शक्ति बिन।

प्र०1: कविता में वीरों की किन विशेताओं का जिक्र किया गया हैं?

क. धैर्य का

ख. साहस का

ग. विपत्ति का डटकर मुकाबला करने का

घ. उपरोक्त सभी

प्र०2: कर्मवीरों को किस बात से कोई लेना देना होता है?

क. संकटों से

ख. आपदाओं से

ग. कठिन रास्तों से

घ. देश के दुश्मनों से

प्र०3: 'असंभव' कायरों का शब्द है - यह किसने कहा था?

क. कवि ने

ख. कर्मवीरों ने

ग. नेपोलियन ने

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०4: प्रस्तुत कविता द्वारा श्रोता को कौन से रस का आनंद अनुभूत हो रहा है?

क. हास्य रस

ख. रौद्र रस

ग. वात्सल्य रस

घ. वीर रस

प्र०5: सार्थक जिंदगी के लिए निम्न में से क्या आवश्यक हैं?

क. संकट

ख. दर्प

ग. उत्साह

घ. शक्ति

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों के अर्थ समझते हुए उनकी सराहना करते हैं|

प्र०6: "नेवला साँप का <u>शत्रु</u> माना जाता है|" इसमें रेखांकित शब्द के स्थान पर निम्न में से किस शब्द का प्रयोग किया जा सकता है?

क. दोस्त

ख. साथी

ग. मित्र

घ. दुश्मन

प्र०7: "आसमान में सूर्य के निकलने से ______________________|" - रिक्त स्थान भरो?

क. वर्षा हो जाती है|

ख. अंधेरा हो जाता है|

ग. रोशनी हो जाती है|

घ. बादल छा जाते है|

प्र०8: "न जाने सीता वन में कहाँ-कहाँ भटकती _______|" रिक्त स्थान में काल के अनुसार उचित शब्द भरो?

क. थी

ख. होगी

ग. रही है

घ. रही थी

प्र०9: "सोहन आज बहुत ही धीरे-धीरे चल रहा है|" इस वाक्य में योजक शब्द है -

क. सोहन

ख. आज

ग. धीरे-धीरे

घ. बहुत

प्र०10: 'सोहन की परीक्षाएं समाप्त हो गई है, अब वह <u>निश्चिंत होकर सोएगा</u>|' रेखांकित शब्दों के स्थान पर कौन-सा मुहावरा प्रयोग किया जा सकता है?

क. छक्के छुड़ाना

ख. घी के दीये जलाना

ग. घड़ों पानी पड़ जाना

घ. घोड़े बेचकर सोना

प्र०11: दोनों भाई नई कमीज़ को लेकर झगड़ रहे थे| पिता जी ने कमीज़ उठाकर यह कहते हुए अपने मित्र की बेटे को दे दी कि ____________________| रिक्त स्थान में उचित लोकोक्ति भरो?

क. नाच न जाने आँगन टेढ़ा

ख. ना रहेगा बाँस ना बजेगी बाँसुरी

ग. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

घ. जिसकी लाठी उसकी भैंस

उत्तर-तालिका = 1 (घ), 2 (घ), 3 (ग), 4 (घ), 5 (क), 6 (घ), 7 (ग), 8 (ख), 9 (ग), 10 (घ), 11 (ख)

पाठ - 16

पानी की कहानी

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा| जिससे वाचन कौशल का विकास होगा| पाठ का एक-एक पैराग्राफ प्रत्येक चटर से वाचन करवाया जाएगा| जैसे - साँसत, वर्णनातीत, अगुआ आदि|
- पाँच-पाँच नए शब्दों का वाचन द्वारा उच्चारण का अभ्यास करवाया जाएगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- जल का संरक्षण विषय पर कक्षा में छात्र अनुच्छेद 50 से 60 शब्दों में लिखेंगे जिससे छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में छात्र पाठ में आए पाँच-पाँच क्रिया व कारक शब्दों के उदाहरण लिखने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ

में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर संकेगे| जैसे - साँसत, वर्णनातीत, आंक्सीज़न व हाइड्रोजन आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : चर्चा (जल के संचय पर, जल बनाने की प्रक्रिया पर), लघु-प्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - लेखन को ओस की बूँद कहाँ मिली?
- पानी की उत्पत्ति व संरचना से परिचय|
- जल है तो कल है - के महत्त्व को समझना|
- जल के जीवन की कठिनाइयों से अवगत कराना है| जल की महत्त्वता को समझना ही - नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- किसी पाठ्य वस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे - शब्दकोश मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं|

निम्नलिखित शब्दकोश को देखकर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अनाहूत (सं.) [वि.] जिसे निमंत्रित (आहूत) न किया गया हो; बुलाया न गया हो; अनामंत्रित।

अनिंदित (सं.) [वि.] 1. जो निंदित या बदनाम न हो 2. निष्कलुष; निर्दोष 3. उदात्त 4. उत्तम।

अनिंद्य (सं.) [वि.] 1. जो निंदा के योग्य न हो 2. निर्दोष; निष्कलुष 3. सुंदर 4. उदात्त।

अनिकेत (सं.) [सं-पु.] 1. वह जिसका कोई नियत घर या वास-स्थान न हो; संन्यासी 2. ख़ानाबदोश। [वि.] गृहहीन, जिसके पास घर न हो; जो घर में न बसता हो।

अनिच्छा (सं.) [सं-स्त्री.] इच्छा का अभाव; मरज़ी का न होना; मन न करना।

अनिच्छापूर्वक (सं.) [क्रि.वि.] बेमन से; रुचि न लेते हुए; बिना चाहत के।

अनिच्छित (सं.) [वि.] 1. जिसकी चाह या इच्छा न की गई हो; अनचाहा 2. अच्छा या रुचिकर न लगने वाला।

अनिच्छुक (सं.) [वि.] इच्छारहित; जिसकी रुचि न हो; किसी कार्य में प्रवृत्त होने का मन न हो; जिसका मन ना चाहता हो।

अनिजक (सं.) [वि.] 1. जो अपना न हो 2. दूसरे से संबंधित; दूसरे का; पराया।

अनित्य (सं.) [वि.] 1. जो नित्य (शाश्वत) न हो; अस्थिर 2. क्षणभंगुर 3. नश्वर।

अनित्यता (सं.) [सं-स्त्री.] 1. अस्थिरता; अस्थायित्व 2. क्षणभंगुरता 3. नश्वरता।

अनिद (सं.) [सं-पु.] अनिद्रा नामक रोग जिसमें नींद नहीं आती है। [वि.] 1. जिसे नींद न आती हो; उनींदा 2. जागता हुआ।

अनिद्रा (सं.) [सं-स्त्री.] 1. नींद न आने का रोग 2. नींद उड़ने का भाव; बेचैनी; घबराहट।

अनिद्रित (सं.) [वि.] 1. जो सोया हुआ न हो 2. जागा हुआ।

अनिपात (सं.) [सं-पु.] 1. निपात का अभाव; न गिरना; अपतन 2. जीवन का बना रहना।

अनिपुण (सं.) [वि.] जो किसी कार्य में निपुण न हो, अकुशल; अदक्ष।

अनिबंध (सं.) [वि.] 1. जिसके लिए कोई बंधन न हो; बंधन-रहित 2. स्वतंत्र।

अनिबद्ध (सं.) [वि.] जो संबद्ध न हो; असंबद्ध।

अनिबद्ध प्रलाप (सं.) [सं-पु.] 1. बे-सिर-पैर की बात; बिना मतलब की बात 2. व्यर्थ की चर्चा।

अनिमंत्रित (सं.) [वि.] जिसे बुलाया न गया हो; जिसका निमंत्रण न किया गया हो।

अनिमित्त (सं.) [वि.] अकारण। [सं-पु.] किसी कारण का न होना। [अव्य.] बिना किसी कारण के।

अनिमित्तक (सं.) [सं-स्त्री.] व्यर्थ; निष्प्रयोजन; बेमतलब।

अनिमेष (सं.) [वि.] 1. स्थिरदृष्टि 2. जागरूक 3. खुला; विकसित। [क्रि.वि.] निर्निमेष; बिना पलक झपकाए; बिना पलक गिराए हुए; अपलक; एकटक।

अनियंत्रित (सं.) [वि.] 1. नियंत्रणविहीन; बेकाबू 2. स्वतंत्र; उन्मुक्त 3. निरंकुश।

अनियत (सं.) [वि.] 1. अनिश्चित; जो तय न किया गया हो 2. अस्थिर 3. जो बँधा हुआ न हो 4. आकस्मिक 5. असाधारण 6. असीम।

अनियतता (सं.) [सं-स्त्री.] 1. अनियत होने का भाव; अनिश्चय 2. अनियमितता 3. अस्थिरता 4. आकस्मिकता 5. निस्सीमता।

अनियम (सं.) [सं-पु.] 1. नियम और व्यवस्था का अभाव 2. अव्यवस्था; बेकायदगी।

अनियमित (सं.) [वि.] 1. जो नियम के अनुकूल न हो 2. जो कार्य व्यवस्थानुसार न चले 3. विधि व्यवस्था का अनुसरण न होना।

अनियमितता (सं.) [सं-स्त्री.] नियमित न होने का भाव; नियम का उल्लंघन।

अनिरुद्ध (सं.) [सं-पु.] 1. (पुराण) कृष्ण के पौत्र और प्रद्युम्न के पुत्र 2. जासूस; गुप्तचर 3. शिव। [वि.] 1. जो निरुद्ध या रुका हुआ न हो 2. स्वेच्छाचारी 3. जिसे रोका न गया हो।

अनिर्णय (सं.) [सं-पु.]. 1. असमंजस; दुविधा 2. निर्णयहीनता।

अनिर्णयता (सं.) [सं-स्त्री.] 1. अनिर्णय की स्थिति; अनिर्णय की मुद्रा 2. असमंजस की स्थिति; दुविधाग्रस्तता।

अनिर्णयात्मक (सं.) [वि.] 1. अनिर्णय से संबंधित 2. जिसपर निर्णय के आसार न हों।

अनिर्णीत (सं.) [वि.] जिसपर निर्णय न हुआ हो; जो तय न हुआ हो; अनिश्चित।

अनिर्दिष्ट (सं.) [वि.] 1. जिसका निर्देश न किया गया हो; न बताया हुआ 2. जिसके विषय में स्पष्ट आदेश न हो; अनादिष्ट।

अनिर्वचनीय (सं.) [वि.] 1. निर्वचन के अयोग्य; अव्याख्येय 2. जिसके लक्षण न बताये जा सकें 3. अवर्णनीय; अकथनीय।

अनिर्वाचित (सं.) [वि.] जिसे चुना न गया हो; मनोनीत।

अनिर्वाच्य (सं.) [वि.] 1. जिसका निर्वचन या कथन न हो सके; अकथनीय 2. जिसे बताया न जा सके 3. जो चुनाव के योग्य न हो।

अनिर्वाण (सं.) [वि.] 1. जो मोक्ष को प्राप्त न हुआ हो, जिसका अंत न हुआ हो 2. न बुझा हुआ 3. अप्रक्षालित।

अनिर्वाप्य (सं.) [वि.] 1. जो बुझाया न जा सके 2. जिसका शमन न हो सके।

अनिल (सं.) [सं-पु.] 1. हवा; वायु; पवन 2. स्वाति नक्षत्र 3. शरीर का वायु तत्व 4. वातरोग।

अनिवर्चनीय (सं.) [वि.] जो बताया न जा सके; जिसे व्यक्त न किया जा सके।

अनिवार्य (सं.) वि. 1. जिसके बिना काम न चल सके 2. जिसका निवारण न हो सके; (इसेंशियल) 3. नितांत आवश्यक; (कंपल्सरी) 4. अवश्यंभावी।

अनिवार्यतः (सं.) [क्रि.वि.] अनिवार्य रूप से।

प्र०1: शब्दकोश में दिए गए क्रम के अनुसार किस समूह के शब्द सही क्रम में हैं?

क	ख	ग	घ
अनिंद्य	अनिवार्य	अनिंद्य	अनिपात
अनियत	अनिंद्य	अनिपात	अनियत
अनिपात	अनिपात	अनियत	अनिवार्य
अनिवार्य	अनियत	अनिवार्य	अनिंद्य

क. क

ख. ख

ग. ग

घ. घ

प्र०2: निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'हवा, वायु, पवन, स्वाति नक्षत्र' इत्यादि के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है?

क. अनिबंध

ख. अनिल

ग. अनिर्वाण

घ. अनिंद्रा

प्र०3: नीचे दिए गए शब्दों में से कौन-सा शब्द 'अनित्य' का समानार्थी नहीं है?

क. अस्थिर

ख. क्षणभंगुर

ग. नश्वर

घ. व्यर्थ

प्र०4: 'अनिच्छित' शब्द का व्याकरणिक रूप क्या होगा?

क. क्रिया

ख. पुलिंग

ग. स्त्रीलिंग

घ. विशेषण

प्र०5: 'अनियमितता' शब्द में उपसर्ग, मूलशब्द एवं प्रत्यय कौन-सा है?

क. अनि+यमित+ता

ख. अ+नियमित+ता

ग. ए+निय+मितता

घ. इनमें से कोई नहीं

सीखने का प्रतिफल:

- अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं|

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है| हमें कर्म के लिए जीवन मिला है| कठिनाइयाँ, दुख एवं कष्ट हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है| अंग्रेज़ी के यशस्वी नाटककार शेक्सपियर ने ठीक कहा है कि " कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव करता है किन्तु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते"| विश्व के प्राय: समस्त महापुरुषों के जीवनवृत - अमेरिका के निर्माता जार्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्ष, सहनशीलता और अपराजेय व्यक्तित्व हैं| इन् महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा था, परंतु वे संकटों से घबराए नहीं बल्कि संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए| संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है| कोई बाहरी शक्ति आपको सहायता नहीं करती हैं| परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते है|

प्र०6: इस अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक कौन-सा है?

क. जीवन एक कर्मक्षेत्र

ख. बढ़ते चलो

ग. संघर्ष और सफलता

घ. सहनशीलता

प्र०7: 'अपराजेय' शब्द का विलोम शब्द क्या है?

क. पराजित होना

ख. पराजेय

ग. अजेय

घ. जीत जाना

प्र०8: निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता महान व्यक्तित्व के लिए अनिवार्य नहीं है?

क. चालाकी

ख. संघर्ष

ग. सहनशीलता

घ. अपराजेय

प्र०9: जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निम्न में से कौन-से मानवीय गुण मनुष्य के अंदर होने चाहिए?

क. परिश्रम

ख. दृढ़ इच्छाशक्ति

ग. लगन

घ. उपरोक्त सभी

प्र०10: 'वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते|' इस पंक्ति का क्या अर्थ है?

क. वीर एक ही बार मरते है

ख. वीर संकटों का सामना करते है, मर-मरकर नहीं जीते

ग. वीर पहली बार ही मर जाते है

घ. वीर को दोबारा मरने का मौका नहीं मिलता

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (घ), 4 (घ), 5 (ख), 6 (ग), 7 (ख), 8 (क), 9 (घ), 10 (ख)

पाठ - 17

बाज़ और साँप

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- श्रवण कौशल का विकास होगा| पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड की सहायता से 'बाज़ के उड़ते' समय की वीडियो द्वारा विषय को सरल बनाया जाएगा| दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा| पाठ में आए दस-दस कठिन शब्दों को उच्चारण करने का अभ्यास कर वाचन कौशल का विकास होगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर संकेगे| जैसे - आक्रोश, शिखर, खोंखल, सिटपिटाना आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा (अन्य कविता व निबंध लेखन पर), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - बाज़ के लिए लहरों ने गीत क्यों गाया?
- कहानी के माध्यम से बताया गया है कि किस तरह से हर प्राणी अपने स्वभाव के कारण अलग-अलग व्यवहार करता है|
- साहस द्वारा जीवन की कठिनाइयों का सामना करना आदि के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे - कहानी, कविता, लेख, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाना, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिन्दु को खोजते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

मोहित अपने कमरे में उदास बैठा हुआ था। तभी उसकी माँ आई और उसकी उदासी का कारण पूछा। तब मोहित ने रोते हुए अपनी माँ को बताया कि उसने परीक्षा के लिए बहुत मेहनत की थी, किंतु फिर भी उसका परिणाम अच्छा नहीं निकला। उसे लगने लगा कि उसके भाग्य में सफलता है ही नहीं। तब माँ ने उसे समझाया कि इंसान को कभी भी असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए। मानव का कर्तव्य है- केवल कर्म करना। माँ ने उसे उदाहरण देते हुए समझाया कि एक किसान अपने खेतों में फसलें बोता है। धूप-छाँव की परवाह किए बिना दिन-रात मेहनत करता है। किंतु कभी-कभी अचानक बाढ़ आने या सूखा पड़ने के कारण उसकी सारी फसलें नष्ट हो जाती हैं। फिर भी किसान हार नहीं मानता। वह दोबारा अपने खेतों की देख-रेख शुरू

कर देता है, केवल इस विश्वास पर कि एक दिन उसके खेत फिर से लहलहा उठेंगे। माँ ने मोहित को बताया कि आज बैसाखी का त्योहार है। किसानों के पूरे वर्ष की मेहनत का परिणाम आज उनके सामने है। माँ ने कहा-मोहित तुमने परीक्षा की तैयारी तो अवश्य की थी, किंतु केवल अंतिम दिनों में। इसलिए तुम्हें सफलता नहीं मिली। यदि तुमने भी किसानों की भांति पूरा साल परिश्रम किया होता तो आज परीक्षा परिणाम निश्चित रूप से तुम्हारे हित में होता।

प्र०1: मोहित अपने कमरे में उदास क्यों बैठा था?

क. वह प्रथम आया था|

ख. उसका परिणाम अच्छा नहीं आया था|

ग. वह फ़ेल हो गया था|

घ. उसका परिणाम बहुत अच्छा आया था|

प्र०2: माँ ने मोहित को किसान का उदाहरण ही क्यों दिया?

क. क्योंकि किसान हार नहीं मानता

ख. क्योंकि किसान का कर्तव्य केवल कर्म करना है

ग. क्योंकि किसान बिना मेहनत का फल जाने दिन-रात अपने काम में लगा रहता है

घ. क्योंकि किसान खेती-बाड़ी करता है

प्र०3: निम्नलिखित में से कौन-सा विलोम युग्म सही नहीं है?

क. धूप-छाँव

ख. दिन-रात

ग. सफलता-असफलता

घ. परिश्रम-श्रम

प्र०4: 'माँ ने उसे उदाहरण देते हुए समझाया कि एक किसान अपने खेतों में फसलें बोता है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताए?

क. सरल वाक्य

ख. संयुक्त वाक्य

ग. मिश्रित वाक्य

घ. 'क' व 'ख' दोनों

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (घ), 4 (ग)

पाठ - 18

टोपी

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पाँच-छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्ट बोर्ड आदि के माध्यम से टोपी कहानी को सुगम बनाया जाएगा|
- दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना| श्रवण कौशल का विकास होगा|
- ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- बच्चों को विषय पर अपने विचार अभिव्यक्त करने को दिया जाएगा|
- दस प्रचलित शब्दों के प्रयोग से वाचन कौशल का विकास - मुलुक, खमा, मजूरी,मल्लार आदि|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्यों अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद/कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन, 50-60 शब्दों में, पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र, आठ-दस नए शब्दों का अर्थ जानकार उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर संकेगे| जैसे - लटजीरा, सरापा, फकत, मुलुक आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा (अन्य कविता व निबंध लेखन पर), लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी - गवरइया की टोपी पर दर्ज़ी ने पाँच फुदने क्यों जड़ दिए|
- दैनिक जीवन से संबंधित आंतरिक भावों को समझने का प्रयास करना|
- विद्यार्थियों को टोपी कहानी के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना|
- नन्ही से गौरेया के माध्यम से सम्पूर्ण मानव जाति को प्रेरित करने के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं, और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं|

निम्नलिखित पदयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

सच है, विपत्ति जब आती कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते, क्षण एक न ही धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं, काँटों में राह बनाते हैं।
मुँह से न कभी उफ कहते हैं, संकट का चरण न गहते हैं,
जो आ पड़ता सब सह हैं, उद्योग निरत रत रहते हैं,
शूलों का मूल नसाते हैं, बढ़ खुद विपत्ति पर छाते हैं।

प्र०1: विपत्ति से कौन दहल जाते है?

क. सूरमा

ख. कायर

ग. साहसी

घ. वीर

प्र०2: "काँटों में राह बनाते है|" इस पंक्ति का क्या अर्थ है ?

क. मुश्किल समय में बच निकलना

ख. रास्ता बनाना

ग. समस्याओं का हल निकालना

घ. भाग जाना

प्र०3: "कायर" शब्द का विलोम शब्द क्या है?

क. मेहनती

ख. बलवान

ग. वीर

घ. बुद्धिमान

प्र०4: पदयांश का उपर्युक्त शीर्षक क्या होगा?

क. वीरता का परिचय

ख. संकट का चरण

ग. उद्योग निरत रत

घ. विपत्ति

प्र०5: प्रस्तुत पद्यांश में वीरों की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

क. धैर्यवान

ख. सहनशीलता

ग. दृढ़ इच्छाशक्ति

घ. उपरोक्त सभी

सीखने का प्रतिफल:

- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं|

नीचे दिये गए विज्ञापन को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्र॰6: दिल्ली विधानसभा 2008 में विधायकों की औसत संपत्ति कितने करोड़ रुपए है?

क. रु॰ 10.06 करोड़

ख. रु॰ 3.06 करोड़

ग. रु॰ 4.12 करोड़

घ. रु॰ 2.10 करोड़

प्र०7: कितने प्रतिशत विधायक करोड़पति है?

क. सत्तर प्रतिशत

ख. चालीस प्रतिशत

ग. उनहत्तर प्रतिशत

घ. पचास प्रतिशत

प्र०8: कितने विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए थे?

क. सत्ताईस

ख. अट्ठाईस

ग. उनतीस

घ. तीस

प्र०9: समस्याओं को हल करने के लिए राजनीति से किसको हटाना आवश्यक है?

क. नेता को

ख. स्पीकर को

ग. सैनिक को

घ. क्रिमिनल को

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ग), 4 (क), 5 (घ), 6 (ख), 7 (ग), 8 (ग), 9 (घ)

Contributor

- Dr. Savita Gahlawat (ARP, Hindi)

  Education Department

  UT Chandigarh

Reviewer

- Ms. Poonam Katoch (PGT)

  SCERT UT Chandigarh

Co-ordinator

- Dr. Deepika Gupta

  Assistant Professor

  SCERT UT Chandigarh

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever"

- Mahatma Gandhi

2021

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH